राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

राज्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा सुनिश्चित कराया जाना जरूरी है–राज्यपाल

पटना, 18 जून 2017

''हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि बिहार की उच्च शिक्षा पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण हो। राज्य में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए सरकार के स्तर पर प्रयत्न जारी हैं। आशा है, निकट भविष्य में योग्य शिक्षक नियुक्त होकर विश्वविद्यालयों में अपनी जिम्मेवारी बखूबी सँभाल लेंगे।'' –उक्त विचार, महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द ने स्थानीय अनग्रह नारायण महाविद्यालय के 'स्थापना दिवस–सह–अनुग्रह बाबू जयन्ती–समारोह' को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों राजभवन में मेरे कार्यकाल के दौरान कुलपतियों का तीसरा सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री भी मौजूद थे। तब नव–नियुक्त कुलपतियों ने अपना 'प्रेजेन्टेशन' देकर अपने–अपने विश्वविद्यालय के भावी विकास की रूपरेखा प्रस्तुत की थी। राज्यपाल ने उम्मीद जाहिर की कि मगध विश्वविद्यालय भी अपनी कार्य–योजना के अनुरूप तीव्र गति से प्रगति–पथ पर अग्रसर होगा।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने 'अकादमिक कैलेण्डर' का दृढ़तापूर्वक अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। समय पर नामांकन, वर्ग–संचालन, परीक्षा–आयोजन, परीक्षाफल–प्रकाशन एवं डिग्री–वितरण की कार्रवाई अगर होने लगे, तो विश्वविद्यालय की गतिविधियों में स्वतः स्पष्ट सुधार दिखने लगेंगे। उन्होंने कहा कि अकादमिक शिक्षा–प्राप्ति के क्रम में ही उच्च शिक्षा–ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को हूनरमंद बनाने के प्रयास होने चाहिए। युवाओं का कौशल–विकास समय की सबसे बड़ी जरूरत और चुनौती दोनों है। हमें केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर छात्रों को रोजगारोन्मुखी भी बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

राज्यपाल श्री कोविन्द ने कहा कि दरअसल, शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार हासिल करना ही नहीं होना चाहिए। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को अपनी सामाजिक और राष्ट्रीय उपयोगिता भी सिद्ध करनी होगी। देश की आबादी के हिसाब से देखें तो भारत में 65 प्रतिशत युवाओं की आबादी है। हमारी युवा–शक्ति ही हमारे राष्ट्र की मूल पूंजी है। इसका सकारात्मक उपयोग राष्ट्रीय नव–निर्माण में होना चाहिए। महाविद्यालयों–विश्वविद्यालयों को नशा–उन्मूलन, दहेज–उन्मूलन एवं स्वच्छता–अभियान जैसे कार्यक्रमों में अपनी सीधी भूमिका सुनिश्चित करनी चाहिए। राज्यपाल ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का वक्तव्य को उद्धृत करते हुए कहा कि –उच्च शिक्षा के केन्द्र विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को सहिष्णुता, नवाचारी शोध एवं प्रयोग, मानवतावाद तथा सत्य की खोज के लिए सदैव सजग एवं तत्पर रहना चाहिए।

राज्यपाल ने अनुग्रह बाबू को राजनीति का 'अजातशत्रु' बताते हुए उन्हें अपना नमन निवेदित किया। उन्होंने महाविद्यालय परिसर में नवनिर्मित मानविकी भवन का उद्घाटन भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षामंत्री डॉ॰ अशोक चौधरी ने कहा कि सरकार परीक्षा में कदाचार–नियंत्रण के प्रति दृढ़संकल्पित है। उन्होंने कहा कि शिक्षण–संस्थाओं में अनियमितता को सरकार बर्दाश्त नही करेगी।

कार्यक्रम में मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ कमर अहसन एवं प्राचार्य प्रो॰ एस॰पी॰ शाही ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में धन्यवाद–ज्ञापन डॉ॰ अरूण कुमार ने किया, जबकि मंच–संचालन प्रो॰ कलानाथ मिश्र ने किया। कार्यक्रम में विधान पार्षद श्री दिलीप कुमार चौधरी, उप–प्राचार्या प्रो॰ पूर्णिमा शेखर सिंह सहित कई पूर्व प्राचार्य एवं वरीय शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

.....